मेरी करुणामयी सरकार ,मिलादो ठाकुर से इकबार

मेरी करुणामयी सरकार ,मिलादो ठाकुर से इकबार ,
कृपा कर भानुदुलारी ,राधे बरसाने वारी।।

गोलोक के ठाकुर प्यारे।
तेरे काज ब्रजधाम पधारे।।
तेरे वश में नंदकुमार ,
मिलादो ठाकुर से इकबार।
कृपा कर.....

हरिप्रिया प्रियावादिनी राधा।
श्रीकृष्ण आह्लादिनी राधा।।
हे बढ़भागिन ब्रजनार ,
मिलादो ठाकुर से इकबार।
कृपा कर.....

नटनागर की प्रीत श्री राधे।
मोहन मुरली का गीत श्री राधे।।
हे कृष्ण लीला रस सार ,
मिलादो ठाकुर से इकबार।
कृपा कर.....

तू ही मोहन तू ही राधा।
तुम बिन मोहन आधा आधा।।
नंद नंदन प्राण आधार ,
मिलादो ठाकुर से इकबार।
कृपा कर.....

मेरा सोया भाग्य जगादे।
हे श्यामा मोहे श्याम मिलादे।।
यही दीन "मधुप" की पुकार ,
मिलादो ठाकुर से इकबार।
कृपा कर..... ।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33157/title/meri-karunamayi-sarkaar-milaado-thakur-se-ikbaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |